



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 8 सितम्बर, 2003/17 भाद्रपद, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

HEALTH AND FAMILY WELFARE DEPARTMENT NOTIFICATION

Shimla-2, the 28th August, 2003

No. HFW-B(A)2-2/2001.—In exercise of the powers conferred under Sub-Section (8) of Section 3 of the Himachal Pradesh Medical Council Act, 2003 (Act No. 16 of 2003) the Governor, Himachal Pradesh is pleased to constitute the Himachal Pradesh Medical Council consisting of the following members :—

1. Director, Medical Education, Himachal Pradesh, Shimla-9.
2. Director of Health Services, Himachal Pradesh, SDA Complex, Kasumti, Shimla-9.
3. Principal, Indira Gandhi Medical College, Shimla.
4. Principal, Dr. RPGMC, Tanda, Himachal Pradesh.
5. Dr. Ritu Sareen, Prof. and Head (OBG), Indira Gandhi Medical College (KNH), Shimla-1.
6. Dr. Suresh Sankhayan, Prof. and Head (Forensic Medicine), Dr. RPGMC, Tanda (Kangra), Himachal Pradesh.
7. Dr. J. P. Nadda, Director of Health Services HP, SDA Complex, Kasumti, Shimla-9.
8. Dr. B. S. Rawal, Deputy Director of Health Services, HP, SDA Complex, Kasumti, Shimla-9.
9. Dr. R. S. Dhiman, Dy. Director of Health Services, HP, SDA Complex, Kasumti, Shimla-9.
10. Dr. Suman Gupta, C. M. O., DDU Hospital, Shimla-1.
11. Dr. P. S. Dogra, MS, Dr. RPGMC, Tanda at Dharamshala.
12. Dr. Chamman Singh Chauhan, President of HPMOS, Association, c/o District Hospital, Una.

The term of the first Council shall be for a period of one year from the date of its 1st sitting.

By order,
P. C. KAPOOR,
Secretary.

पंचायती राज विभाग

कार्यालय आदेश

शिमला-171009, 25 अगस्त, 2003

संख्या पी सी एच-एच ए-(5) 83/2002-कुड़ी-11900.—श्री ध्यान सिंह, पूर्व प्रधान एवं वर्तमान उप-प्रधान, प्राप्त पंचायत कुड़ी के विशद् श्री बल्लालवरमल, निवासी ग्राम व डाकघर घाघस, विकास खण्ड सदर की शिकायत पर उपायुक्त, बिलासपुर द्वारा दिनांक 17-1-2002 को निलम्बनार्थ कारण बताओ नोटिस देने, श्री ध्यान सिंह का उत्तर जांचने तथा उत्तर में दिए गए आश्वासन अनुसार कोई भी राशि पंचायत निधि में जमा न करवाने के फलस्वरूप उनके पद से हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 के अन्तर्गत दिनांक 21-3-2002 को उनके पद से निलम्बित किया गया है;

व्योंकि मामले में हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146 के अन्तर्गत नियमित जांच अतिरिक्त उपायुक्त, बिलासपुर को इस कार्यालय के आदेश संख्या पी0सी0एच0-एच0ए0(5) 83/2002, दिनांक 13-5-2002 को सौंपी गई;

और व्योंकि जांच अधिकारी द्वारा की गई विद्युत जांच रिपोर्ट निवेशालय में प्राप्त हुई तथा जांच रिपोर्ट में दर्शाए गए तथ्यों का गहन अध्ययन करने उपरान्त श्री ध्यान सिंह, पूर्व प्रधान तथा वर्तमान उप-प्रधान के विशद् यह सङ्केत रूप से पाया गया कि उन द्वारा मु0 12,717/- रुपये की पंचायत/सरकारी धनराशि का दुर्घटनाकृत दूर्घटनाकृत दूर्घटना की दृष्टियोग किया गया है।

अतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों के अन्तर्गत जो कि उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146 के अन्तर्गत निहित है, के अधीन श्री ध्यान सिंह, पूर्व प्रधान व वर्तमान उप-प्रधान को इस कारण बताओ नोटिस के माध्यम से निर्देश दिए जाते हैं कि व्यों न उन्हें उपरोक्त वर्णित आरोप में मंत्रित होने के कारण उनके पद से निलम्बित किया जाए। उनका उत्तर अधोहस्ताक्षरी को इन नोटिस के जारी होने से 20 दिनों के अन्दर पहुंच जाना चाहिए अत्यथा यह समता जाएगा कि वह अपने पक्ष में कुछ कहना नहीं चाहते तथा एक तरफा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। विदित रहे कि यह कारण बताओ नोटिस श्री ध्यान सिंह, पूर्व प्रधान व वर्तमान उप-प्रधान को अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए यह अनितम अवधारणा दिया जा रहा है।

अनुलग्नक-जांच रिपोर्ट।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
सचिव (पंचायती राज)।

लोक निर्माण विभाग

“शुद्धि-पत्र”

शिमला-2, 30 अगस्त, 2003

संख्या पी0बी0 ३८५० (बी) ए (7)(1)-128-99.—इस विभाग द्वारा जारी की गई समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 21-9-2002 के पृष्ठ संख्या : 1 को दूसरी पंक्ति नामतः गंव आईना, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा के बताए गाव आईना, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा पढ़ा जाए।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
प्रधान सचिव।

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित